No. of Printed Pages : 2

601

IT310

Roll No. : .....

2019

CLIENT SERVER COMPUTING

निर्धारित समय : तीन घंटे] [अधिकतम अंक : 70
Time allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट : *(i) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, शेष में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिये ।*
Note : *Question No. 1 is compulsory, answer any **FIVE** questions from the remaining.*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों को क्रमवार एक साथ हल कीजिये ।
Solve all parts of a question consecutively together.

(iii) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से प्रारम्भ कीजिये ।
Start each question on fresh page.

(iv) दोनों भाषाओं में अन्तर होने की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य है ।
Only English version is valid in case of difference in both the languages.

1. (i) वेब सर्वर क्या है ?
What is web server ?

(ii) मिडिलवेयर की क्या उपयोगिता है ?
What is the utility of middleware ?

(iii) API किसे कहते हैं ?
What is meant by API ?

(iv) सर्वर OS के दो उदाहरण लिखिए ।
Write two examples of servers OS.

(v) क्लाइंट सर्वर कम्प्यूटिंग को परिभाषित कीजिए ।
Define client server computing. **(2×5)**

2. (i) लघु विभागों हेतु क्लाइंट सर्वर संरचना को समझाइए ।
Explain client server architecture for small departments.

(ii) सर्वर प्रोग्राम की संरचना समझाइए ।
Explain anatomy of server program. **(6×2)**

P.T.O.

3. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए :
Differentiate between the following :
(i) फैट सर्वर Vs फैट क्लाइंट
Fat server Vs Fat client
(ii) 2-टियर Vs 3-टियर क्लाइंट सर्वर कम्प्यूटिंग
2-Tier Vs 3-Tier client server computing
(iii) फाइल सर्वर Vs डाटाबेस सर्वर
File server Vs Database Server (4×3)

4. (i) सर्वर मापनीयता से क्या अभिप्राय है ? समझाइए ।
What is meant by server scalability ? Explain.
(ii) क्लाइंट OS के विभिन्न OS के उदाहरणों को समझाइए ।
Explain Different examples of client OS. (6×2)

5. (i) API के अवयवों की व्याख्या कीजिए ।
Explain the components of an API.
(ii) पियर से पियर संचारण क्या है ? समझाइए ।
What is peer to peer communication ? Explain. (6×2)

6. (i) अनुप्रयोगी सेवाओं को मिडिलवेयर द्वारा किस प्रकार प्रयोग में लाया जा सकता है ? समझाइए ।
Explain how application services are accessible through middleware.
(ii) RPC की कार्यविधि उदाहरण सहित समझाइए ।
Explain working principle of RPC with example. (6×2)

7. क्लाइंट-सर्वर की डिस्ट्रीब्यूटेड ऑब्जेक्ट के कार्य करने की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए ।
Explain the process of working in detail of client-server with distributed object. (12)

8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी कीजिए : (किन्हीं **तीन** पर)
Write short notes on the following : (on any **three**)
(i) MOM Vs RPC
(ii) क्लाइंट सर्वर इंटरनेट
Client server internet
(iii) क्लाइंट सर्वर हाईब्रिड
Client server Hybrid
(iv) क्लाइंट सर्वर की निर्माण इकाइयाँ
Building blocks of client server (4×3)